

जे 2/22

आज यह पत्रावली वैध हुयी। कौरी भी
उपाधि नहीं है। ~~वादीगण~~ वादीगण व
वादीगण वकील को बार-बार-आवाज लानी
गयी कौरी उपाधि नहीं है। अतः वादीगण
व वादीगण आधिकार्य वापसूद रूपसे के
अनुपाधि रहने से ~~रहने~~ पत्रावली अदम
हाजरी अदम पेशकी में खापीज की जाती
है। पत्रावली पौल्ल सुमार होकर ~~गुजर~~ है
कम है। बार प्रॉडि डालेला दफ्तार है।

पखण्ड अधिकारी
रौड़ (अलवर) राज